# संस्कृत शिक्षा विभाग स्कूल व्याख्याता

## विषय – हिन्दी

## दिनांक – 18 नवंबर 2024

---

**1. "हुआ बाल-रवि उदय कनक-नभ किरणें फूटीं। भरित तिमिर पर परम प्रभामय बनकर टूटीं। जगत जगमगा उठा विभा वसुधा में फैली। खुली अलौकिक ज्योति-पुंज की मंजुल थैली।" इस काव्यांश में प्रयुक्त छंद है**

(1) गीतिका (2) रोला

(3) उल्लाला (4) चौपाई

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**2. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प संगत है ?**

(1) चौपाई के प्रत्येक चरण में 16 वर्ण होते हैं।

(2) रोला वर्णिक मुक्तक छंद है।

(3) गीतिका के प्रत्येक चरण में 15, 13 पर यति होती है।

**(4) दोहा मात्रिक अर्ध-सम छंद है।**

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**3. "जगत जनायो जिहि सकल, सो हरि जान्यो नाहिं ज्यों आँखन सब देखिए, आँखि न देखी जाहिं।।" उक्त पंक्तियों में कौन सा अलंकार है ?**

(1) रूपक (2) उत्प्रेक्षा

(3) उदाहरण **(4) दृष्टांत**

(5) अनुत्तरित प्रश्न

4. **काव्य गुणों की विशेषताओं के संबंध में असंगत है**

(1) मधुर भाव को द्योतित करने वाले रसों में कोमल और मधुर शब्दों का प्रयोग वांछनीय है।

**(2) रौद्र, वीर और वीभत्स रस की व्यंजना हेतु सरल, बोधगम्य एवं सर्वजन-सुलभ शब्दों का प्रयोग करना अनिवार्य है।**

(3) कोमल भाव वाले रसों के वर्णन में कठोर वर्ण प्रयुक्त हों तो रसास्वादन में व्यवधान उपस्थित हो जाता है।

(4) रस को ध्यान में रखकर ही काव्य गुणों का वर्गीकरण किया जाता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

5. **हृदय में उत्साह, उत्तेजना या तेजस्विता उत्पन्न करने तथा चित्त का विस्तार करने की क्षमता से युक्त रचना में किस काव्य गुण की प्रधानता होती है ?**

**(1) ओज** (2) प्रसाद

(3) आवेग (4) माधुर्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**6. उल्लाला छंद की विशेषता है**

(1) विषम चरण में 15 वर्ण होते हैं।

(2) सम चरण दोहे के विषम चरण के समान होता है।

**(3) प्रत्येक चरण में क्रमशः नगण, भगण, भगण, तगण होता है।**

(4) मात्रिक सम छंद है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**7. रस को "अखंड, चिन्मय, स्वयंप्रकाशमान्, आनंदस्वरूप, वेद्यांतरस्पर्शशून्य, ब्रह्मास्वादसहोदर, लोकोत्तर चमत्कारप्राण, स्वाकारवत्, अभिन्न और आस्वादरूप" मानने वाले आचार्य हैं**

(1) कुन्तक (2) महिमभट्ट

**(3) विश्वनाथ** (4) मम्मट

(5) अनुत्तरित प्रश्न

8. **"ये स्वयं इतने प्रबल होते हैं कि मित्र या शत्रुभाव इन्हें न तो आत्मसात् करते हैं और न दबा सकते हैं। ये दूसरे भावों को अन्तर्निहित करके उन्हें वशवर्ती बना लेते हैं।" इस कथन के द्वारा निम्नलिखित में से किसकी विशेषता प्रकट हुई है ?**

(1) विभाव (2) अनुभाव

(3) संचारी भाव **(4) स्थायी भाव**

(5) अनुत्तरित प्रश्न

9. **'रौद्र' रस के संचारी भाव हैं**

**(1) चपलता, उग्रता, गर्व, अमर्ष**

(2) वितर्क, जड़ता, आवेग, हर्ष

(3) उन्माद-व्याधि, जड़ता, मोह

(4) त्रास, शंका, चिंता, अपस्मार

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**10. 'रससूत्र' की आचार्य शंकुक द्वारा की गई व्याख्या को कहते हैं**

(1) आरोपवाद (2) अनुमितिवाद

(3) अभिव्यक्तिवाद (4) उत्पत्तिवाद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**11. रामचंद्र शुक्ल ने अपने काल विभाजन में वीरगाथाकाल का प्रारंभिक समय क्या माना है ?**

(1) 1050 ई. (2) 993 ई.

(3) 1000 ई. (4) 990 ई.

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**12. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा में निम्नलिखित में से कौन सा ग्रंथ कालक्रम की दृष्टि से सबसे पहले लिखा गया ?**

(1) मॉडर्न वर्नाक्युलर लिट्रेचर ऑफ हिन्दुस्तान

(2) हिन्दी साहित्य की भूमिका

(3) हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास

(4) मिश्रबंधु विनोद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**13. रसानुभूति या रसास्वादन की सूचना किससे प्राप्त होती है ?**

(1) अनुभाव (2) आलंबन विभाव

(3) उद्दीपन विभाव (4) स्थायी भाव

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**14. रचना और रचनाकार की दृष्टि से सुमेलित नहीं है**

(1) हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

(2) हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

(3) हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - नंददुलारे वाजपेयी

(4) हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास - हजारीप्रसाद द्विवेदी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**15. राहुल सांकृत्यायन ने हिन्दी का प्रथम कवि किसे माना है ?**

(1) गोरखनाथ (2) कबीर

(3) शालिभद्र सूरि (4) सरहपाद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**16. "भाषा की परीक्षा करके देखते हैं तो वह साहित्यिक नहीं है, राजस्थानी है।" आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने किस ग्रंथ की भाषा के संबंध में उक्त मत प्रस्तुत किया है ?**

(1) पृथ्वीराज रासो (2) परमाल रासो

(3) जयमयंक जस चन्द्रिका (4) बीसलदेव रासो

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**17. 'हिन्दी साहित्य का अतीत' के लेखक हैं**

(1) विश्वनाथ त्रिपाठी (2) धीरेन्द्र वर्मा

(3) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (4) विजयेन्द्र स्नातक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**18. 'पृथ्वीराज रासो' को सर्वथा अप्रामाणिक ग्रंथ मानने वाले विद्वान हैं**

(1) हजारीप्रसाद द्विवेदी (2) श्यामसुन्दर दास

(3) कर्नल जेम्स टॉड (4) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**19. मुनि जिनविजय ने जैन साहित्य की रास परंपरा का प्रथम ग्रंथ किसे माना है ?**

(1) रेवंतगिरि रास (2) भरतेश्वर बाहुबली रास

(3) स्थूलिभद्र रास (4) चंदनबाला रास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**20. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने अपने साहित्येतिहास में काल-विभागों के नामकरण का आधार किसे माना है ?**

(1) सभी ढंग की साधारण और असाधारण रचनाओं की प्रसिद्धि

(2) विभिन्न ढंग की रचनाओं की प्रचुरता और प्रसिद्धि

(3) किसी विशेष ढंग की रचनाओं की प्रचुरता और प्रसिद्धि

(4) अनेक रचनाओं में प्रयुक्त भाषा-शैली की प्रसिद्धि

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**21. सिद्धों के चर्यापद देश के किस क्षेत्र में अधिक रचे गए और प्रचलित रहे ?**

(1) उत्तरी (2) पश्चिमी

(3) दक्षिणी (4) पूर्वी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**22. आदिकालीन सिद्ध-साहित्य की प्रवृत्तियों की दृष्टि में असंगत है**

(1) सहज जीवन पर बल

(2) सहज भोगमार्ग और महासुख का खंडन

(3) रहस्य-भावना की प्रधानता

(4) पाखण्ड और आडम्बर का विरोध

(5) अनुत्तरित प्रश्न

**23. "आध्यात्मिक रंग के चश्मे आजकल बहुत सस्ते हो गए हैं। उन्हें चढ़ा कर जैसे कुछ लोगों ने 'गीत गोविन्द' के पदों को आध्यात्मिक संकेत बताया है, वैसे ही विद्यापति के इन पदों को भी।" उपर्युक्त कथन किसका है ?**

(1) रामकुमार वर्मा (2) रामविलास शर्मा

Ranu Academy

(3) रामचंद्र शुक्ल (4) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

24. **मंझन कृत 'मधुमालती' के संबंध में असंगत है**

(1) इसके नायक-नायिका हैं - मनोहर मधुमालती।

(2) इसमें उपनायक-उपनायिका की भी योजना की गई है।

(3) ताराचंद मधुमालती से विवाह करना चाहता है।

(4) इसमें पाँच चौपाइयों (अर्द्धालियों) के उपरांत एक दोहे का क्रम रखा गया है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

25. **'बीसलदेव रासो' के संबंध में असंगत है**

(1) 'मेघदूत' और 'संदेशरासक' की संदेश- परंपरा भी इसमें मिलती है।

(2) इसमें सामन्ती जीवन के प्रति गहरी अरुचि का चित्रण हुआ है।

(3) इसमें वीर, वीभत्स और करुण रस का पूर्ण परिपाक हुआ है।

(4) 'बीसलदेव रासो' की भाव-भूमि प्रेम की निश्छल अभिव्यक्ति से सरस है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

26. **आदिकालीन नाथ-साहित्य के संबंध में असंगत है**

(1) इस साहित्य में नीति और साधना मार्ग की व्यापकता मिलती है।

(2) इसमें जीवन की अनुभूतियों का सघन चित्रण हुआ है।

(3) राहुल सांकृत्यायन ने नाथ-पंथ को सिद्धों की परम्परा से सर्वथा भिन्न माना है।

(4) नाथ-साहित्य में गुरु-महिमा, इन्द्रिय- निग्रह, प्राणसाधना और कुण्डलिनी- जागरण आदि का वर्णन मिलता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

27. **दादूद्याल की रचनाओं को 'अंगवधू' शीर्षक कृति में किसने संकलित किया ?**

(1) रज्जब (2) संतदास

(3) जगन्नाथदास (4) सुंदरदास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

28. **निम्नलिखित में सुमेलित नहीं है :**

(1) निंबार्काचार्य – सनकादि संप्रदाय

(2) स्वामी हरिदास - सखी संप्रदाय

(3) गोसाईं हितहरिवंश - बल्लभ संप्रदाय

(4) मध्वाचार्य - ब्रह्म संप्रदाय

(5) अनुत्तरित प्रश्न

29. **'दादू-पंथ' के अन्तर्गत मुख्य साधकों में नहीं है**

(1) सुंदरदास (2) जगजीवन

(3) रज्जब (4) मलूकदास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

30. **"इस रूप में इस कहानी का पूर्वार्द्ध तो बिल्कुल कल्पित है और उत्तरार्द्ध ऐतिहासिक आधार पर है।" 'पद्मावत' के संबंध में उक्त कथन किसका है ?**

(1) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(2) डॉ. नगेंद्र

(3) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(4) डॉ. रामकुमार वर्मा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

31. **मीराँ के संबंध में असंगत है**

(1) इन पर योगियों, संतों और वैष्णव भक्तों का सम्मिलित प्रभाव पड़ा है।

(2) इनके आराध्य केवल सगुण साकार गोपीवल्लभ श्रीकृष्ण हैं।

(3) इनके पदों में राजस्थानी, ब्रज, गुजराती आदि का मिश्रण पाया जाता है।

(4) इनकी भक्ति मुख्यतः दैन्य और माधुर्य भाव की है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

32. **आचार्य रामचंद्र शुक्ल के मतानुसार 'सूरसागर' का सबसे मर्मस्पर्शी और वाग्वैदग्ध्यपूर्ण अंश है**

(1) गोचारण (2) भ्रमरगीत

(3) रासलीला (4) बाललीला

(5) अनुत्तरित प्रश्न

33. **नंददास कृत 'रसमंजरी' इनमें से किससे प्रभावित है ?**

**(1) भानुदत्त कृत रसमंजरी**

(2) केशवदास कृत कविप्रिया

(3) मतिराम कृत ललितललाम

(4) कृपाराम कृत हिततरंगिणी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

सम्पूर्ण प्रश्न पत्र देखने के लिए यहाँ क्लिक करे